Pro

Chapter 28

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

נָסוּ	וְאֵין־	רֹדֵף	רָשָׁע	וְצַדִּיקִים	כִּכְפִיר	יִבְטָח׃
भागते	और–नहीं–	पीछा–करने–वाला	दुष्ट	और–धर्मी	जैसे–जवान–शेर	निडर।
H5127	H0369	H7291	H7563	H6662		H0982

दुष्ट के मन में सदा भय समाया रहता है और इसी कारण वह भागता फिरता है। किन्तु धर्मी जन सदा निर्भय रहता है वैसे हो जैसे सिंह निर्भय रहता है।

2

בְּפֶשַׁע	אֶרֶץ	רַבִּים	שָׂרֶיהָ	וּבְאָדָם	מֵבִין	יֹדֵעַ	כֵּן	יַאֲרִיךְ׃
अपराध–में–	देश	बहुत	उसके–हाकिम	और–मनुष्य–से	समझदार	जानने–वाला	वैसे	लम्बा।
H6588	H0776		H8269	H0120	H0995	H3045		H0748

देश में जब अराजकता उभर आती है बहुत से शासक बन बैठते हैं। किन्तु जो समझता है और ज्ञानी होता है, ऐसा मनुष्य ही व्यवस्था स्थिर करता है।

3

גֶּבֶר	רָשׁ	וְעֹשֵׁק	דַּלִּים	מָטָר	סֹחֵף	וְאֵין	לָחֶם׃
पुरुष	गरीब	और–अत्याचारी	दीनों–का	वर्षा	बहा–ले–जाने–वाली	और–नहीं	रोटी।
H1397	H7326	H6231	H1800	H4306	H5502	H0369	H3899

वह राजा जो गरीब को दबाता है, वह वर्षा की बाढ़ सा होता है जो फसल नहीं छोड़ती।

4

עֹזְבֵי	תוֹרָה	יְהַלְלוּ	רָשָׁע	וְשֹׁמְרֵי	תוֹרָה	יִתְגָּרוּ	בָם׃	פ
छोड़ने–वाले	व्यवस्था	स्तुति–करते	दुष्ट–की	और–पालन–करने–वाले	व्यवस्था	लड़ते	उनसे।	—
	H8451		H7563	H8104	H8451	H1624		

व्यवस्था के विधान को जो त्याग देते हैं, दुष्टों की प्रशंसा करते, किन्तु जो व्यवस्था के विधान को पालते उनका विरोध करते।

5

אַנְשֵׁי־	רָע	לֹא־	יָבִינוּ	מִשְׁפָּט	וּמְבַקְשֵׁי	יְהוָה	יָבִינוּ	כֹל׃
मनुष्य–	बुराई–के	नहीं–	समझते	न्याय	और–खोजने–वाले	यहोवा–को	समझते	सब।
H0376		H3808	H0995	H4941	H1245	H3068	H0995	H3605

दुष्ट जन न्याय को नहीं समझते हैं। किन्तु जो यहोवा की खोज में रहते हैं, उसे पूरी तरह जानते हैं।

6

טוֹב־	רָשׁ	הוֹלֵךְ	בְּתֻמּוֹ	מֵעִקֵּשׁ	דְּרָכַיִם	וְהוּא	עָשִׁיר׃
अच्छा–	गरीब	चलता	अपनी–खराई–में	टेढ़े–से	मार्गों	और–वह	धनी।
	H7326	H1980	H8537	H6141	H1870	H1931	H6223

वह निर्धन उत्तम हैं जिसकी राह खरी है। न कि वह धनी पुरुष जो टेढ़ी चाल चलता है।

7

נוֹצֵר	תּוֹרָה	בֵּן	מֵבִין	וְרֹעֶה	זוֹלְלִים	יַכְלִים	אָבִיו׃
पालन–करने–वाला	व्यवस्था–का	बेटा	समझदार	और–मित्र–होने–वाला	पेटूओं–का	लज्जित–करता	पिता–अपने।
H5341	H8451		H0995			H3637	H0001

जो व्यवस्था के विधानों का पालन करता है, वही है विवेकी पुत्र; किन्तु जो व्यर्थ के पेटुओं को बनाता साथी, वह पिता का निरादर करता है।

8

מַרְבֶּה	הוֹנוֹ	בְּנֶשֶׁךְ	]ובתרבית[	)וְתַרְבִּית(	לְחוֹנֵן	דַּלִּים	יִקְבְּצֶנּוּ׃
बढ़ाने–वाला	धन–अपना	ब्याज–से	[और–वृद्धि]	(और–वृद्धि)	दयालु–के–लिए–	दीनों–पर	इकट्ठा–करता–उसे।
	H1952	H5392	H8636	H8636		H1800	H6908

वह जो मोटा ब्याज वसूल कर निज धन बढ़ाता है, वह तो यह धन जोड़ता है किसी ऐसे दयालु के लिये जो गरीबों पर दया करता है।

9

מֵסִיר	אָזְנוֹ	מִשְּׁמֹעַ	תּוֹרָה	גַּם־	תְּפִלָּתוֹ	תּוֹעֵבָה׃
हटाने–वाला	कान–अपना	सुनने–से–	व्यवस्था	भी–	उसकी–प्रार्थना	घृणित।
H5493	H0241	H8085	H8451	H1571	H8605	H8441

यदि व्यवस्था के विधान पर कोई कान नहीं देता तो उसको विनतियाँ भी घृणा के योग्य होगी।

10

מַשְׁגֶּה	יְשָׁרִים	בְּדֶרֶךְ	רָע	בִּשְׁחוּתוֹ	הוּא־	יִפּוֹל	וּתְמִימִים	יִנְחֲלוּ־	טוֹב׃
भटकाने-वाला	सीधों-को	मार्ग-में	बुरे	गड्ढे-अपने-में	वह-	गिरता	और-सिद्ध	पाएंगे-	अच्छा।
H7686	H3477	H1870		H7816	H1931	H5307	H8549	H5157	

वह तो अपने ही जाल में फंस जायेगा जो सीधे लोगों को बुरे मार्ग पर भटकाता है। किन्तु दोषरहित लोग उत्तम आशीष पायेगा।

11

חָכָם	בְּעֵינָיו	אִישׁ	עָשִׁיר	וְדַל	מֵבִין	יַחְקְרֶנּוּ׃
बुद्धिमान	अपनी-नज़रों-में	मनुष्य	धनी	और-दीन	समझदार	जाँचता-उसे।
H2450		H0376	H6223	H1800	H0995	H2713

धनी परुष निज आँखों में बुद्धिमान हो सकता है किन्तु वह गरीबजन जो बुद्धिमान होता है सत्य को देखता।

12

בַּעֲלֹץ	צַדִּיקִים	רַבָּה	תִפְאָרֶת	וּבְקוּם	רְשָׁעִים	יְחֻפַּשׂ	אָדָם׃
जब-उल्लास-करते	धर्मी	बहुत	महिमा	और-जब-उठते	दुष्ट	खोजा-जाता	मनुष्य।
H5970	H6662		H8597		H7563	H2664	H0120

सज्जन जब जीतते हैं, तो सब प्रसन्न होते हैं। किन्तु जब दुष्ट को शक्ति मिल जाती है तो लोग छिप—छिप कर फिरते हैं।

13

מְכַסֶּה	פְשָׁעָיו	לֹא	יַצְלִיחַ	וּמוֹדֶה	וְעֹזֵב	יְרֻחָם׃
ढांकने-वाला	अपराधों-अपने	नहीं	सफल-होगा	और-मानने-वाला	और-छोड़ने-वाला	दया-पाएगा।
H3680	H6588	H3808		H3034		H7355

जो निज पापों पर पर्दा डालता है, वह तो कभी नहीं फूलता—फलता है किन्तु जो निज दोषों को स्वीकार करता और त्यागता है, वह दया पाता है।

14

אַשְׁרֵי	אָדָם	מְפַחֵד	תָּמִיד	וּמַקְשֶׁה	לִבּוֹ	יִפּוֹל	בְרָעָה׃
धन्य	मनुष्य	डरने-वाला	सदा	और-कठोर-करने-वाला	हृदय-अपना	गिरता	बुराई-में।
H0835	H0120	H6342	H8548	H7185		H5307	

धन्य है, वह पुरुष जो यहोवा से सदा डरता है, किन्तु जो अपना मन कठोर कर लेता है, विपत्ति में गिरता है।

15

אֲרִי־	נֹהֵם	וְדֹב	שׁוֹקֵק	מוֹשֵׁל	רָשָׁע	עַל	עַם־	דָּל׃
सिंह-	दहाड़ता	और-भालू	बेताब	हाकिम	दुष्ट	पर	प्रजा-	दीन।
	H5098	H1677	H8264	H4910	H7563			H1800

दुष्ट लोग असहाय जन पर शासन करते हैं। ऐसे जैसे दहाड़ता हुआ सिंह अथवा झपटता हुआ रीछ।

16

נָגִיד	חֲסַר	תְּבוּנוֹת	וְרַב	מַעֲשַׁקּוֹת	[שנאי]	(שֹׂנֵא)	בֶצַע	יַאֲרִיךְ	יָמִים׃	פ
शासक	घटी-वाला	समझ	और-बहुत	अत्याचार-उसके	[घृणा-करने-वाले]	(घृणा-करने-वाला)	लालच	लम्बे-करेगा	दिन।	—
H5057	H2638	H8394		H4642	H8130	H8130	H1215	H0748	H3117	

एक क्रूर शासक में न्याय को कमी होती है। किन्तु जो बुरे मार्ग से आये हुए धन से घृणा करता है, दीर्घ आयु भोगता है।

17

אָדָם	עָשֻׁק	בְּדַם־	נָפֶשׁ	עַד־	בּוֹר	יָנוּס	אַל־	יִתְמְכוּ־	בוֹ׃
मनुष्य	दबा-हुआ	लहू-में-	प्राण-के	तक-	गड्ढा	भागता	मत-	थामें-	उसे।
H0120	H6231	H1818	H5315	H5704		H5127	H0408	H8551	

किसी व्यक्ति को दूसरे की हत्या का दोषी ठहराया हो तो उस व्यक्ति को शांति नहीं मिलेगी। उसे सहायता मत कर।

18

הוֹלֵךְ	תָּמִים	יִוָּשֵׁעַ	וְנֶעְקַשׁ	דְּרָכַיִם	יִפּוֹל	בְּאֶחָת׃
चलता	सिद्ध-में	बचाया-जाएगा	और-टेढ़ा	मार्गों-में	गिरता	एक-में।
H1980	H8549	H3467	H6140	H1870	H5307	H0259

यदि कोई व्यक्ति निष्कलंक हो तो वह सुरक्षित है। यदि वह बुरा व्यक्ति हो तो वह अपनी सामर्थ खो बैठेगा।

19

עֹבֵד	אַדְמָתוֹ	יִשְׂבַּע־	לָחֶם	וּמְרַדֵּף	רֵקִים	יִשְׂבַּע־	רִישׁ׃
काम-करने-वाला	ज़मीन-अपनी	तृप्त-होगा-	रोटी-से	और-पीछा-करने-वाला	व्यर्थताओं-के	तृप्त-होगा-	गरीबी-से।
H5647	H0127	H7646	H3899	H7291	H7386	H7646	

जो अपनी धरता जोतता—बोता है और परिश्रम करता है, उसके पास सदा भर पूर खाने को होगा। किन्तु जो सदा सपनों में खोया रहता है, सदा दरिद्र रहेगा।

יִנָּקֶה׃	לֹא	לְהַעֲשִׁיר	וְאָץ	בְּרָכוֹת	רַב־	אֱמוּנוֹת	אִישׁ	20
निर्दोष।	नहीं	धनी-होने-को	और-जल्दी-करने-वाला	आशीर्वाद	बहुत-	विश्वासों-का	मनुष्य	
H5352	H3808	H6238	H0213	H1293		H0530	H0376	

परमेश्वर निज भक्त पर आशीष बरसाता है, किन्तु वह मनुष्य जो सदा धन पाने को लालायित रहता है, बिना दण्ड के नहीं बचेगा।

גָּבֶר׃	יִפְשַׁע־	לֶחֶם	פַּת־	וְעַל־	טוֹב	לֹא־	פָּנִים	הַכֵּר־	21
पुरुष।	अपराध-करे-	रोटी-के	टुकड़ा-	और-के-लिए-	अच्छा	नहीं-	चेहरों	पहचानना-	
H1397	H6586	H3899				H3808	H6440		

किसी धन्यवान व्यक्ति का पक्षपात करना अच्छा नहीं होता तो भी कुछ न्यायाधीश कभी कर जाते पक्षपात मात्र छोटे से रोटी के ग्रास के लिये।

יִבְאֶנּוּ׃	חֶסֶר	כִּי־	יֹדֵעַ	וְלֹא־	עַיִן	רָע	אִישׁ	לַהוֹן	נִבְהָל	22
आएगी-उसे।	कमी	कि-	जानता	और-नहीं-	नज़र	बुरी	मनुष्य	धन-के-लिए	जल्दबाज़
H0935	H2639		H3045	H3808			H0376	H1952	H0926

सूम सदा धन पाने को लालायित रहता है और नहीं जानता कि उसकी ताक में दरिद्रता है।

לָשׁוֹן׃	מְמַחֵלִיק	יִמְצָא	חֵן	אַחֲרֵי	אָדָם	מוֹכִיחַ	23
जीभ।	चिकनी-करने-वाले-से	पाएगा	अनुग्रह	बाद-में	मनुष्य-को	डाँटने-वाला	
H3956		H4672	H2580		H0120	H3198	

वह जो किसी जन को सुधारने को डांटता है, वह अधिक प्रेम पाता है, अपेक्षा उसके जो चापलूसी करता है।

מַשְׁחִית׃	לְאִישׁ	הוּא	חָבֵר	פֹּשֵׁעַ	אֵין־	וְאֹמֵר	וְאִמּוֹ	אָבִיו	וְגוֹזֵל	24
विनाशक।	मनुष्य-का	वह	साथी	अपराध	नहीं-	और-कहता	और-माता-अपनी	पिता-अपने	लूटने-वाला	
H7843	H0376	H1931	H2270	H6588	H0369	H0559	H0517	H0001	H1497	

कुछ लोग होते हैं जो अपने पिता और माता से चुराते हैं। वह कहते हैं, “यह बुरा नहीं है।” यह उस बुरा व्यक्ति जैसा है जो घर के भीतर आकर सभी वस्तुओं को तोड़ फोड़ कर देते हैं।

יְדֻשָּׁן׃	יְהוָה	עַל־	וּבוֹטֵחַ	מָדוֹן	יְגָרֶה	נֶפֶשׁ	רְחַב־	25
मोटा-होगा।	यहोवा	पर-	और-भरोसा-करने-वाला	झगड़ा	भड़काता	प्राण	फैला-	
H1878	H3068		H0982	H4066	H1624	H5315	H7342	

लालची मनुष्य तो मतभेद भड़काता, किन्तु वह मनुष्य जिसका भरोसा यहोवा पर है फूलेगा—फलेगा।

יְמָלֵט׃	הוּא	בְּחָכְמָה	וְהוֹלֵךְ	כְּסִיל	הוּא	בְּלִבּוֹ	בּוֹטֵחַ	26
बचेगा।	वह	बुद्धि-में	और-चलने-वाला	मूर्ख	वह	हृदय-अपने-पर	भरोसा-करने-वाला	
H4422	H1931	H2451	H1980	H3684	H1931		H0982	

मूर्ख को अपने पर बहुत भरोसा होता है। किन्तु जो ज्ञान की राह पर चलता है, सुरक्षित रहता है।

מְאֵרוֹת׃	רַב־	עֵינָיו	וּמַעְלִים	מַחְסוֹר	אֵין	לָרָשׁ	נוֹתֵן	27
शाप।	बहुत-	आँखें-अपनी	और-छिपाने-वाला	घटी	नहीं	गरीब-को	देने-वाला	
H3994			H5956	H4270	H0369	H7326	H5414	

जो गरीबों को दान देता रहता है उसको किसी बात का अभाव नहीं रहता। किन्तु जो उनसे आँख मूँद लेता है, वह शाप पाता है।

צַדִּיקִים׃	יִרְבּוּ	וּבְאָבְדָם	אָדָם	יִסָּתֵר	רְשָׁעִים	בְּקוּם	28
धर्मी।	बढ़ते	और-उनके-नष्ट-में	मनुष्य	छिपता	दुष्ट	जब-उठते	
H6662		H0006	H0120	H5641	H7563		

जब कोई दुष्ट शक्ति पा जाता है तो सज्जन छिप जाने को दूर चले जाते हैं। किन्तु जब दुष्ट जन का विनाश होता है तो सज्जनों को वृद्धि प्रकट होने लगती है।